आज का विचार

सारा हिंदुस्तान गुलामी में घिरा नहीं है। जिन्होंने पश्चिमी शिक्षा पाई और उसके पाश में फंसे हैं, वे ही गुलामी में घिरे हैं। महात्मा गांधी

करपात्रीजी के श्रीमुख से

भगवद्भक्ति सब प्रकार के कल्याण का मूलस्त्रोत है।

सन् 2019 के आम चुनाव में क्या होगा?

एक अजीब सवाल सत्ता के गलियारों से लेकर फुटपाथ तक, संसद से सड़क तक, सब जगह पूछा जा रहा है कि सन् 2019 में क्या होगा? लोग अपने-अपने तौर पर इसका उत्तर दे रहे हैं। सन् 2019 के चुनावों की अगर इतिहास से तुलना करें तो दो मॉडल सामने दिख रहे हैं। पहला सन् 1971 का मॉडल। जब इंदिरा गांधी ने विपक्षियों को धूल चटा दी थी। या फिर सन् 2004 का मॉडल जब अटल बिहारी वाजपेयी आपस में 'धुर विरोधी' पार्टियों के गठबंधन से हार गए थे। यह दोनों चुनाव इसलिए भी सन् 2019 से मिलते हैं कि दोनों स्थितियों में विपक्षियों ने एकजुट होकर दिग्गज सत्ताधीशों से जोर आजमाया था। उस समय के आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर लोकसभा सीटों पर मुकाबले सीधे थे लेकिन दोनों के नतीजों में जमीन आसमान का फर्क आया। अब नरेंद्र मोदी का क्या होगा?

इसका अनुमान लगाने के लिए पहले सन् 2004 और सन् 1971 के चुनावों के डायनामिक्स को समझते हैं। पहले देखते हैं, सन् 1971 की पृष्ठभूमि। सन् 1971 के पहले पांच सालों में भारत ने दो प्रत्यक्ष युद्ध लड़े। पहला सन् 1962 में चीन से और दूसरा सन् 1965 में पाकिस्तान से। इसी अवधि में हमारे देश को दो अत्यंत लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों को खोना भी पड़ा। पहले सन् 1964 में जवाहरलाल नेहरू और दूसरे सन् 1966 में लाल बहादुर शास्त्री। इस दौरान अमेरिकी शासन भारत के प्रतिकूल था और भारत में सूखा पड़ा था। इतना भयानक सूखा कि कई स्थानों पर लोगों ने पेड़ के पत्ते खाकर गुजारा किया। ऐसे में इंदिरा गांधी ने सत्ता की बागडोर संभाली। उस समय कांग्रेस में सिंडिकेट बड़ा ही ताकतवर था और उसे यह गुमान था कि वह इंदिरा गांधी को काबू में रखेगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सन् 1969 में कांग्रेस विभाजित हो गयी। कांग्रेस दो हिस्से में बंटी। एक कांग्रेस (ओ) और दूसरा कांग्रेस (आर)। कम्युनिस्टों के समर्थन से इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी रहीं। लेकिन जब कम्युनिस्टों का दबाव असह्य हो गया तो इंदिरा गांधी ने चौथी लोकसभा को अवधि पूरी होने के पहले ही भंग कर दिया और भारत के पहले मध्यावधि चुनाव का बिगुल बजा। मोर्चे बन गए। कांग्रेस (ओ), जनसंघ, स्वतंत्र पार्टी और एसएसपी का गठबंधन हुआ, जिसका नाम नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट (एनडीएफ) रखा गया। इस गठबंधन ने 'इंदिरा हटाओ लोकतंत्र बचाओ' का नारा दिया। दूसरी तरफ इंदिरा गांधी ने बड़ी चालाकी से 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया। इंदिरा गांधी भारी मतों से चुनाव जीत गईं और 5वीं लोकसभा में एनडीएफ के महज 49 सदस्य ही आ पाए। इंदिरा गांधी ने अथक मेहनत की। उन्होंने सैकड़ों सभाओं को संबोधित किया।

सन् 1971 के आईने में देखें तो सन् 2019 की स्थितियों में रहस्यमय समानता है। अब जरा सन् 2004 में आते हैं। वाजपेयीजी को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पहले सन् 1996 में 13 दिनों की सरकार बनी, फिर सन् 1998 में 13 महीनों की सरकार बनी। इसके बाद सन् 1999 में 5 साल तक वे सत्ता पर कायम रहे। वाजपेयीजी की चमक का अंदाजा इसी बात से लगता है कि वह बिल क्लिंटन की मेजबानी करने वाले प्रधानमंत्री थे। सन् 1978 में जिम कार्टर के बाद बिल क्लिंटन भारत आने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे। वाजपेयीजी शांति बस लेकर लाहौर गए, पोखरण में परमाणु परीक्षण किया और करगिल की जंग लड़े। सन् 2004 के चुनाव में उनका जीतना लगभग निश्चित था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जबकि उस दौरान जितने ओपिनियन पोल हुए सबमें वाजपेयीजी का जीतना निश्चित बताया गया था। वाजपेयीजी की लोकप्रियता भाजपा से ज्यादा थी। 'इंडिया शाइनिंग' का नारा विश्वास का आईना था। लेकिन हवा का रुख बदलने लगा और कांग्रेस ने कई पार्टियों के साथ गठबंधन की। सारी खूबियों के बावजूद वाजपेयीजी की सरकार नहीं बन सकी और सोनिया गांधी की कांग्रेस जीत गयी। कई और समानताएं हैं सन् 2004 के चुनाव से। जैसे सहयोगियों का चुनाव तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में पुराने वादों की स्थिति इत्यादि।

अब सवाल उठता है कि मोदी जैसे ताकतवर नेता के लिए क्या सन् 1971 जैसा नतीजा होगा या सन् 2004 जैसा। यहां थोड़ा सा फर्क है। सन् 1971 में इंदिरा गांधी के जीतने की उम्मीद बहुत कम थी जबकि सन् 2004 में वाजपेयीजी के हारने की उम्मीद बहुत कम थी। अब नरेंद्र मोदी के लिए सन् 2019 के लोकसभा चुनाव में देश क्या फैसला करता है, यह तो भविष्य बताएगा। ■

सुख पाने का प्रयास ही प्राणी का धर्म

■ श्री श्री आनन्दमूर्ति ■

प्राणियों का धर्म क्या है? सुख को पाने का प्रयास करना। क्यों एक प्राणी सुख के लिए लालायित रहता है? आत्म सुरक्षा के लिए तुम क्यों खाते और पीते हो? अपने आपको सुखी रखने के लिए। तुम्हारी वर्तमान सत्ता के अंदर जो कुछ है, इससे उसे न्याय करने की समझ तुझमें आ जाती है। इसका जो भी सार तत्व है, वही तुम्हारा धर्म है। यह धर्म और साधना तुम्हारी सूक्ष्मतम आत्मा को क्षणस्थायी और विनाशशील वस्तुओं से अलग रखने की सीख देते हैं। जिसके परिणामस्वरूप तुम्हारी शाश्वत आत्मा को पुष्ट पोषण मिल सके और प्रगति के पथ पर यह ज्यादा से ज्यादा विकास करे। इसीलिए आत्मा की यथार्थ साधना को शास्त्रों ने 'पुष्टिमार्ग' कहा है। जो इसे नहीं समझते हैं, यथार्थ धर्म को नहीं पहचानते हैं। वे देह को ही जीवन का एकमात्र तत्व मानते हैं।

मानसिक रूप से अविकसित प्राणी, जो अपने देह को ही जीवन का सब कुछ समझते हैं, मैं उसकी निंदा नहीं करता हूं। किंतु मनुष्य के लिए इस तरह के विचारों को प्रश्रय देना मन की अवज्ञा करना ही है। इसमें सबसे मजाक की बात है कि इस तरह के लोग मन के साथ ही मन को चिढ़ाते हैं। इस तरह की विकृत मानसिकता को हम चार्वाक दर्शन में पाते हैं। उनके लिए यह क्षणिक देह ही परम तत्व है। भौतिकवादी अपने दर्शन में मन को महत्व देने में संकोच करते हैं, यहां तक कि वे मन की स्वचेतना को स्वीकार करने में भी आनाकानी करते हैं। फिर भी ये भौतिकवादी अपने को व्यवहारवादी और उपयोगितावादी रूप में प्रचारित करवाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि वे तर्क और विचार के पथ का अनुसरण नहीं करेंगे क्योंकि इस पथ पर दिन को रात और रात को दिन सिद्ध करने वालों की कमी नहीं है।

ये कहते हैं कि हमलोग सीधे, सरल और पीड़ित ग्रामीण हैं। हमलोग खाने के लिए अन्न और पहनने के लिए कपड़े के साथ शांति के साथ अपना दिन गुजारना चाहते हैं। इस मांग के पीछे जो समर्थन और व्यावहारिकता है, वही हमारा दर्शन है। इस तरह की बातें बनाते हुए भी ये स्वयं अपने ही जाल में फंस जाते हैं। व्यावहारिक क्षेत्र में वस्तुओं की उपयोगिता मन के द्वारा निर्धारित की जाती है। नियम और व्यवहार संहिता भी मन के द्वारा निर्धारित की जाती है। 'भोजन के लिए अन्न और पहनने के लिए कपड़े के साथ शांति से रहना' भी मन की संतुष्टि के लिए किया जाता है। और सबसे बड़ी बात है कि इसके लिए कौन से शास्त्र या वाद स्थापित किये जाते हैं, वहां कोई अर्थ नहीं रखता।

प्रस्तुति: दिव्यचेतनानन्द अवधूत ■

सन्मार्ग

सन्मार्ग कार्यालय फोन नम्बर कोलकाता : सम्पादकीय : 71015038, रिपोर्टिंग : 71015042/ 30/40 • विज्ञापन : 71015020/23 • फैक्स : 9883777432 • भुवनेश्वर : 0674 2572171 • पटना : 6122 500103/107 • फैक्स : 6122 500105 • रांची : 651 3242120, 651 2212677/78 • फैक्स : 651 3985117 • न्यू दिल्ली : 011 23719100, 011 23715401 • फैक्स : 011 23359416 ■

हेल्प लाइन राज्य पुलिस कंट्रोल : 100, कोलकाता पुलिस कंट्रोल रूम : 22143230, 3024 • फायर सर्विस : 101 • हावड़ा स्टेशन : 1310, 1331, 1332, 26382217, 26387412 • सियालदह स्टेशन : 23503535, 3537 • रिजर्वेशन इंक्वायरी : 139 • एयरपोर्ट इंक्वायरी : 140 • अस्पताल : कलकत्ता मेडिकल कॉलेज : 22440123 • एसएसकेएम हास्पिटल (पीजी) : 22236026, 22236242 • मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी : 22743725 • विशुद्धानंद हास्पिटल : 40233030/ 40233031-39 • श्री जैन हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर : 26415831-32 • हावड़ा लायन्स हास्पिटल : 26385470/ 2015, 64556323 • श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल : 30612200 • एम्बुलेंस : सेंट जॉन एम्बुलेंस : 22485277 • नागरिक स्वास्थ्य संघ : 22743819 • 24 घंटे केमिस्ट : धन्वंतरी : 24547941, 9830584845 • बर्दवान पुलिस कंट्रोल रूम : 0342 2664466, फायर सर्विस : 0342-2556901 • बर्दवान मेडिकल कालेज व हास्पिटल : 0342-2658641-42 • आसनसोल सदर अस्पताल : 0341-2304040 • दुर्गापुर सबडिविजनल अस्पताल : 0343-2537163 • सेंट जॉन्स एंबुलेंस : 0342-2557461 ■

भारत- ईरान सबक दें पाकिस्तान को

भारत और ईरान को बीच में खड़ा पाकिस्तान जोड़ता है लेकिन ये दोनों देश पाकिस्तान के अंदर चलने वाली आतंक की फैक्टरियों से लहूलुहान हैं। ये फैक्टरियां भारत और ईरान में लगातार आतंक फैला रही हैं। पुलवामा की भयावह घटना के दौरान ही ईरान में भी एक आत्मघाती हमले में 27 ईरानी सैनिक मारे गए। ईरान का आरोप है कि उस आत्मघाती हमले में पाकिस्तान का ही हाथ है। इस घटना से सारे ईरान में पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। ईरान ने अपने सुरक्षा बलों पर हुए आत्मघाती हमले के पीछे मौजूद एक जिहादी संगठन को पनाह देने का इस्लामाबाद पर खुला आरोप लगाया है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा लगती है। पाकिस्तान से ईरान इसलिए नफरत करता है, क्योंकि दोनों देशों की सीमा पर तैनात ईरान के सुरक्षाकर्मियों को पाकिस्तान के आतंकी मार कर भाग जाते हैं। सन् 2015 में पाक के आतंकवादियों ने सैकड़ों ईरानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। उसके बाद से लगातार ईरान में पाकिस्तान के मानव बमों के हमले होते रहे हैं।

इस बीच, पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर हमले के लिए पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन जैश-ए- मोहम्मद ने जिम्मेदारी ली है। भारत तो मानता ही है कि पुलवामा हादसे के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। यानी दोनों देश पाकिस्तान से फैलाए जा रहे आतंकवाद से त्रस्त हैं। अब ऐसे में भारत और ईरान के पास विकल्प भी कुछ अधिक नहीं बचे हैं। दोनों को पाकिस्तान से कूटनीति से लेकर हर स्तर पर लड़ना ही होगा। उसे ऐसी गहरी चोट देनी होगी कि पाकिस्तान ही नहीं विश्वभर के आतंकी आतंकवाद का नाम लेने से ही कांप जाएं। अब पाकिस्तान की निंदा या कड़ी निंदा करने का वक्त गुजर चुका है। भारत के कड़े रुख के चलते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान कहने लगे हैं कि 'जंग से क्या होगा। हम आतंकवाद पर बात करने के लिए राजी हैं।' लेकिन, अब बात करने पर हम तो राजी नहीं हैं न? लात के देवता बातों से कहां सुनेंगे?

दरअसल ईरान के पाकिस्तान से सटे दक्षिण-पूर्वी सिस्तान में विगत 13 फरवरी को एक आत्मघाती हमले में रिवोल्यूशनरी गार्ड के 27 सदस्य मारे गये थे। सुन्नी जिहादी संगठन जैश अल- अदल (न्याय की सेना) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। कहीं जैश-ए-मोहम्मद है, तो कहीं जैश अल-अदल है। भारत और ईरान को पाकिस्तान के खिलाफ साथ मिलकर रणनीति बनाना जरूरी है। पाकिस्तान पर चौतरफा दबाव देने की जरूरत है। यह इसलिए आवश्यक है कि पाकिस्तान शीघ्र नहीं सुधरेगा। उसके रग-रग में भारत और ईरान के खिलाफ अलग-अलग कारणों से नफरत है। हाफिज सईद और मौलाना अजहर महमूद जैसे कुख्यात आतंकी पाकिस्तान में फल-फूल रहे हैं। उन्हें पाकिस्तान सरकार और सेना का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। वास्तव में ये ही भारत के ऊपर आतंकी हमले करवाने की रणनीति बनाते हैं। इन्हें भारत ने मुंबई हमलों से पठानकोट और पुलवामा तक देखा है। अगर बात ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंधों की करें तो उसमें बड़ा बदलाव तब आया था, जब दिसंबर 2015 में सऊदी अरब ने आतंकवाद से लड़ने के लिए 34 देशों का एक 'इस्लामी सैन्य गठबंधन' बनाने का फैसला किया था। लेकिन उसमें शिया बहुल ईरान को शामिल नहीं किया गया था। उस गठबंधन में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को प्रमुखता के साथ जोड़ा था। इस कारण पाकिस्तान से ईरान काफी नाराज था। यह बात अलग है कि वह गठबंधन कभी कायदे से अपना काम नहीं कर सका। उस गठबंधन को ईरान विरोधी के रूप में भी देखा गया, जो सऊदी अरब का मुख्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी है। इस बीच, 19 फरवरी को भारत आने से पहले सऊदी अरब के वली अहद (युवराज) मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तान की भी यात्रा की थी। उस यात्रा पर ईरान की नजरें गड़ी थीं। क्योंकि ईरान और सऊदी अरब में भयानक बैर है। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोनों ही घोर प्रशंसक और मित्र हैं। पाकिस्तान आम तौर पर सऊदी अरब के साथ खड़ा होता है पर वह ईरान से दूरी बनाकर भी नहीं रखना चाहता। पर ईरान को मालूम है कि जिस देश में शियाओं का कत्लेआम होता हो, वह देश उसका मित्र हो ही नहीं सकता। बहरहाल अब भारत और ईरान को साथ मिलकर पाकिस्तान को हर स्तर पर घेरना होगा। यह एक विचित्र संयोग है कि पिछले साल भी ईरान और भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तगड़ा मोर्चा खोला था। भारतीय सेना ने आजाद कश्मीर में आतंकी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक किया था, उसी दिन ईरान ने भी पाकिस्तान पर हमला किया था। उस रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में घुसकर 38 आतंकी मार गिराए थे। उसी समय पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर ईरान ने मोर्टार दागे थे। ईरान के बॉर्डर गार्ड्स ने सरहद पार से बलूचिस्तान में मोर्टार दागे थे।

आर के सिन्हा
राज्यसभा सांसद

यकीन मानिए कि ईरान-पाकिस्तान के बीच संबंध कभी भी सामान्य नहीं होंगे। ईरान के शत्रु सऊदी अरब का पाकिस्तान पक्का समर्थक है। ईरान-पाकिस्तान में इसलिए भी तनातनी रही है क्योंकि ईरान शिया देश है तो पाकिस्तान कट्टर सुन्नी मुस्लिम देश है। पाकिस्तान की सऊदी अरब से नजदीकियां कभी भी ईरान को रास नहीं आई हैं। हैरानी होती है कि पाकिस्तान से उसके सभी पड़ोसी देश क्यों नाराज हैं, अफगानिस्तान की ही बात कीजिए। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दशकों से तनाव जारी है। हालांकि, अफगानिस्तान भी इस्लामिक देश है। काबुल भी पाकिस्तान पर अक्सर यह इल्जाम लगाता है कि पाकिस्तान आतंकियों को अपनी जमीन पर सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराता रहा है। इसके साथ ही तालिबानियों को अपनी सीमा में दाखिल कर अफगानिस्तान और पश्चिम देशों की सेना पर हमले करवाता रहा है। और तो और बांग्लादेश, जो कभी उसका अपना अंग था, भी पाकिस्तान को फूटी नजर नहीं देख पाता। कारण यह है कि बांग्लादेश को पाकिस्तान से शिकायत है कि वह उसके घरेलू मामलों में दखल देता है। बांग्लादेश बार-बार कहता रहा है कि वह पाकिस्तान की ओर से उसके आंतरिक मसलों में हस्तक्षेप को सही नहीं मानता।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की पाकिस्तान से शिकायत रही है कि पाकिस्तान के तन-बदन में क्यों आग लग जाती है, जब बांग्लादेश में सन् 1971 के मुक्ति संग्राम के गुनहगारों को फांसी दी जाती है? उन्हें दंड दिया जाना पाकिस्तान को बुरी तरह खल जाता है। सन् 1971 के कत्लेआम के मुद्दे पर पाकिस्तान- बांग्लादेश के रिश्ते लगातार खराब हो रहे हैं। जरा सोचिए कि पाकिस्तान उस कत्लेआम के गुनहगारों के साथ खड़ा होता है। अब समझ लीजिए कि उसका चरित्र किस तरह का है। पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान दावा करते हैं कि वे आतंकवाद से लड़ने को तैयार हैं। जिस देश से ओसामा बिन लादेन मिला हो, उसकी बातों पर यकीन कौन करेगा? अब वक्त का तकाजा है कि भारत-ईरान मिलकर पाकिस्तान को धूल चटाएं। ■

आम चुनाव में होगी नये राजनीतिक उत्तराधिकारियों की परीक्षा

नयी दिल्ली : आगामी आम चुनाव में सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता की ही नहीं बल्कि एक परिवार के प्रभुत्व वाले राजनीतिक दलों में उभरे नये नेतृत्व की भी परीक्षा होगी।

पिछले पांच वर्ष में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और (पीडीपी) जैसे कई दलों में अलग अलग कारणों से नेतृत्व परिवर्तन हुआ है और इन दलों की कमान नयी पीढ़ी के हाथों में आ गयी है। परिवार की विरासत संभालने वाले नये उत्तराधिकारियों की अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में कड़ी परीक्षा होगी और पता चलेगा कि उनमें कितना दम खम और राजनीतिक कौशल है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी राजनीति में तो एक दशक से अधिक समय से सक्रिय है लेकिन इस आम चुनाव में कांग्रेस पहली बार पूरी तरह से उनके नेतृत्व में मैदान में उतरेगी। वे पिछले लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के स्टार प्रचारक थे लेकिन उस समय पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी थीं।

उस चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था और वह सिर्फ 44 सीटें जीत पायी थी। राहुल ने दिसंबर, 2017 में अध्यक्ष पद संभाला था जिसके बाद पार्टी तीन राज्यों में सत्ता में वापसी करने में सफल रही है। आगामी चुनाव के लिए रणनीति बनाने से लेकर उम्मीदवारों के चयन तक का पूरा अधिकार उन्हीं के पास है। उनकी बहन प्रियंका गांधी भी अब सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी हैं। इस चुनाव में दोनों भाई बहन की प्रतिष्ठा दांव पर होगी।

लोकसभा चुनाव की दृष्टि से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश में ये चुनाव सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिये कड़ी परीक्षा साबित होंगे। पार्टी के अंदर कलह के बीच जनवरी 2017 में अध्यक्ष पद संभालने वाले अखिलेश यादव उसी वर्ष हुए राज्य विधानसभा चुनाव में सपा की नैया पार नहीं लगा पाये थे। उस समय उन्होंने कांग्रेस से मिलकर चुनाव लड़ा था।

इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सामना करने के लिए सपा ने बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन किया है। पार्टी का 1992 में गठन करने वाले उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने उनके इस कदम पर नाराजगी जतायी है। मुलायम के भाई शिवपाल यादव ने तो सपा छोड़कर पहले ही नया दल बना लिया है। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा सिर्फ पांच सीटें जीत पायी थी। इन सीटों पर यादव के परिवार के सदस्यों ने ही जीत हासिल की थी।

उत्तर प्रदेश से लगे और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बिहार में इस बार राष्ट्रीय जनता दल की कमान युवा नेता तेजस्वी यादव के हाथों में होगी। चारा घोटाले में लालू प्रसाद यादव के जेल जाने के बाद से वह ही पार्टी का कामकाज देख रहे हैं। श्री लालू प्रसाद यादव यदि जमानत पर रिहा नहीं हो पाये तो 1997 में राजद का गठन करने के बाद पहली बार वह लोकसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका नहीं निभा सकेंगे। बिहार के पड़ोसी राज्य झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन राज्य के प्रमुख दल झारखंड मुक्ति मोर्चा का बड़ा चेहरा बन गये हैं। भाजपा के विरुद्ध गठबंधन तैयार करने में वह अहम भूमिका निभा रहे हैं। आगामी चुनाव में उनका नेतृत्व भी कसौटी पर होगा।

दक्षिण भारत के एक प्रमुख राज्य तमिलनाडु में सबकी नजरें राजनीति के दो दिग्गज एम करुणानिधि और जे जयललिता के उत्तराधिकारियों पर होंगी। वर्ष 1969 से पिछले साल तक द्रमुक का नेतृत्व संभालने वाले करुणानिधि के निधन के बाद पार्टी की बागडोर अब पूरी तरह से उनके पुत्र एम के स्टालिन के हाथों में है। पिछले आम चुनाव में द्रमुक एक भी सीट नहीं जीत पायी थी। अगला चुनाव वह कांग्रेस के साथ मिल कर लड़ने जा रही है। आतंकवाद के चलते सुर्खियों में रहने वाले जम्मू कश्मीर के दो प्रमुख नेताओं उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के लिए भी आगामी चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होगा।

श्री अब्दुल्ला जहां अपने पिता फारूक अब्दुल्ला के साथ मिलकर नेशनल कांफ्रेंस का नेतृत्व कर रहे हैं वहीं 2016 में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की मृत्यु के बाद पीडीपी की कमान पूरी तरह से उनकी पुत्री महबूबा के हाथों में आ गयी है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगे हरियाणा की एक प्रमुख पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल में उत्तराधिकार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के परिवार में छिड़ी जंग काफी समय से चर्चा में है। चौटाला के पोते दुष्यंत चौटाला ने जननायक जनता पार्टी के नाम से अलग पार्टी बना ली है। उनकी पार्टी हाल में हुए जींद उपचुनाव में दूसरे नंबर पर रही थी। वे पिछला लोकसभा चुनाव इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार के रूप में हिसार से जीते थे। आगामी चुनाव में उन पर भी नजर रहेगी। एजेंसियां

RE-E- TENDER NOTICE

Re-e-tender is invited by the Commissioner of Police, Kolkata from manufacturers/ authorized dealers/ bonafide suppliers etc. for **"Supply and installation of Speed Retarder Bump"** for the use of Traffic, Department Kolkata Police for the year 2018-19. The NIT Document and other details will be available in the website: wbtenders.gov.in. The last date for submission of the re-e-tender is on **11.03.2019 up to 15.00 hours.**

Sd/-
for Commissioner of Police,
Kolkata

ICA-T1824(3)/2019

KRISHNANAGAR MUNICIPALITY
Krishnanagar, Nadia

The Administrator, Krishnanagar Municipality invites NIeB No.- WBMAD/ULB/KRISHNANAGAR/ AMRUT/NIT-16/2nd Call/2018-19 for "Planning, Designing, Construction & Commissioning of Clear Water Reservoir with Pumping station along with 800 KVA HT Sub Station etc. under AMRUT." Tender ID : 2019_MAD_218588_1. Visit the Website **https://wbtenders.gov.in** for details.

Sd/-
Administrator
Krishnanagar Municipality

IL&FS Engineering and Construction Company Ltd.

FOR SALE - USED SHUTTERING & SCAFFOLDING MATERIAL

Expression of interest is invited for sale of used Shuttering & Scaffolding Materials 'as is where is basis' at below premises:

Kolkata Metro Rail Project, Village: Jothbhi, PO: Hatganga, Near Uniyech IT Park, Newtown, Kolkata, Project

Contact Mr. Sanjiv Kumar Padhy

Mob: +91 8334001266

For details of above referred materials, timing and date of inspection, Last date & Process of submission, Terms of Sale, Conditions applicable and other related details, please refer to http://www.ilfsengg.com/

Re-e-Tender Notice

Tender ID:
(1) 2019_WBSMB_218841_1 / 2019_WBSMB_218823_1 / 2019_WBSMB_218802_1

Tender reference No. : **WBBRMCD/e-NIT-09/R1/ 2018-19, WBBRMCD/e-NIT-08/R1/2018-19, WBBRMCD/ e-NIT-05/R1/2018-19**

Tender Type: Open Tender

DATE OF PUBLICATION: **25.02.2019 AT 10.00 AM.**

LAST DATE OF SUBMISSION: **11.03.2019 (Up to 6:00 Pm.)**

For further details please visit the website: **http://wbtenders.gov.in** OR **http://etender.wb.nic.in**

Sd/-
Secretary
Bankura Regulated Market Committee
Memo No - 221(3)/ADV/inf(BNK)
Dt - 22.02.2019

KRISHNANAGAR MUNICIPALITY
Krishnanagar, Nadia

The Administrator, Krishnanagar Municipality invites eNIT No.- WBMAD/ULB/KRISHNANAGAR/ DLC/NIT-17/2nd Call/2018-19 for the work of "Construction of College Building in new campus for Dwijendralal College Krishnagar, Nadia." Tender ID : 2019_MAD_ 218710_1. Visit the Website **https://wbtenders.gov.in** for details.

Sd/-
Administrator
Krishnanagar Municipality

e-NIQ No.- 05 of 2018 – 19
(T.ID.
(2019_WBPWD_217964_1)

Online e-Tender under 2(two) bids system is invited for the work of "Pruning/cutting of branches of standing trees (including fallen branches) cutting of dead trees/branches and making logs of uprooted trees felled trees (irrespective of species & girth/dia) as per requirement in between Km. 0.00 (Dakbungalow More) to Km. 59.60 (Petrapole) of NH-112 including lowering, stacking, measuring, marking with paints, loading into cart/truck, carriage to Departmental stackyard at Bokchara, and compound of Chongda Rest Shed, unloading and stacking as per the direction of EIC."Closing date and time for submission of tender (on line): 01.03.2019. Details of the e-NIQ may be seen in the office of the undersigned on any working day during office hours and through website www.wbpwd.gov.in & https://wbtenders.gov.in

EE/NHD-V/PW(R)Dte.

ICA-T1821(3)/2019

RAJPUR-SONARPUR MUNICIPALITY
P.O.- Harinavi, South 24- Parganas, Kolkata-148
TENDER NOTICE

E-tenders are hereby invited from bonafide, reliable, resourceful and experienced contractors for Surface Drain and Underground Drain at Ward No. 04 within this Municipality under AMRUT as per the following N.I.T. No.- 22/WS/ AMRUT/Drainage/W-04/ RSM/2018-19 Dated 22/02/2019 and 23/WS/AMRUT/Drainage/ W-04/RSM/2018-19 Dated 22/02/2019. For details and in the event of e-filling, intending bidders may download the tender documents from the website **http://wbtenders.gov.in** directly with the help of digital signature certificate Date of uploading of NIT : 27/02/2019 at 17:30 hrs. Bid submission end date : **15/03/2019** up to 12:00 hrs.

Sd/- (Dr. Pallab Das)
Chairman
Rajpur Sonarpur Municipality

कोलकाता पत्तन न्यास
KOLKATA PORT TRUST
HALDIA DOCK COMPLEX

1. ई-निविदा सं. : केओपीटी/हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स/पी एंड ई डिव/36/18-19/ईटी/378-वास्ते "जनरल कार्गो बर्थ, हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स, कोलकाता पत्तन न्यास, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, भारत में 40 मी. आउटरीच में स्प्रेडर के अंतर्गत 1 (एक) अदद, रेल माउण्टेड क्वे क्रेन (आरएमक्यूसी), 40 टी लिफ्टिंग क्षमता की डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, संस्थापना, जांच करना, चालू करना एवं गारंटी कार्यकलाप।" अनुमानित लागत : ₹ 46.50 करोड़। पूर्व बोली सभा : 05.03.2019 11.00 बजे से। दाखिल करने की अंतिम तारीख : 26.03.2019 के 15.00 बजे तक।

2. ई-निविदा सं. : केओपीटी/हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स/आई एंड सीएफ डिव/124/18-19/ईटी/376 वास्ते "हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स, हल्दिया में रेलवे के रखरखाव हेतु वर्ष 2019-20 हेतु वार्षिक ठेका।" अनुमानित लागत : ₹ 1,15,38,755.20। दाखिल करने की अंतिम तारीख : 25.03.2019 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त निविदाओं हेतु विवरण एवं सभी अन्य निविदाओं सहित वे जो रु. 1 करोड़ से कम हैं हेतु कृपया www.mstcecommerce.com, https://eprocure.gov.in/epro cure/app एवं www.kolkataporttrust.gov.in का अवलोकन करें।

NOTICE INVITING e-TENDER

A1.Construction of a Concrete Road from Sandalpur Saranan Sau House to Shwee Pukur Par PMGSY Road, Mouza – Sandalpur, J.L. No. 121, Plot No. 1137 to 1623 under Nandakumar Panchayat Samity (Phase-7), District Purba Medinipur vide NIT No. WBSAMB/CEO/168/R1/2018-19 Dated 18/02/2019 bearing Tender ID : 2019_WBSMB_217437_1
The last date for submission of tender is on 12/03/2019 up to 12.00 Noon
A2. Balance work for jana nayak hemanta basu market at Brace bridge under south 24 Parganas vide NIT No. WBSAMB/CEO/203/2018-19 Dated 18/02/2019 bearing Tender ID : 2019_WBSMB_217368_1
The last date for submission of tender is on 20/03/2019 up to 12.00 Noon
B1.Supply, Installation, Testing and Commissioning of Surveillance CCTV Arrangement at NSTIAM, Baidyabati, Dist. Hooghly vide NIQ No. WBSAMB/CEO/173/R1/2018-19 Dated 18/02/2019 bearing Tender ID : 2019_WBSMB_217473_1
The last date for submission of tender is on 12/03/2019 up to 12.00 Noon
The detail information will be available on the https://wbtenders.gov.in , https://www.wb.gov.in & http://www.wbagrimarketingboard.gov.in/

Sd/-
Chief Executive Officer
West Bengal State Agricultural Marketing Board

ICA-T1829(3)/2019

ADDA ASANSOL DURGAPUR DEVELOPMENT AUTHORITY
Asansol Office: Vivekananda Sarani, (Sen-Raliegh Road), Near Kalyanpur Housing Road, Asansol - 713305

NIT No.: 138 & 139 of 2018-19 Dt. 21.02.2019

Executive Engineer, ADDA, Asansol invites Offline percentage rate Tender (Two Bid System in two Parts) in Authority's Contract Form from reliable, resourceful and eligible Contractors; for other details visit our website: **www.addaonline.in, www.wbtenders.gov.in** or ADDA office, Asansol.

Sd/- E.E., ADDA, Asansol

TENDER NOTICE

Sealed tenders are hereby invited from bonafide, reliable, resourceful and experienced contractors for the following works. N.I.T. No.- WBMAD/ULB/RSM/142/Bid/12/18-19, WBMAD/ULB/ RSM/143/Bid/35/18-19, WBMAD/ULB/RSM/144/RD/SD/18/18-19. All these tenders are dated on 23/02/2019. Name of the work, estimated value & earnest money of the work are given respectively as- Name of the work : Construction of entrance shed with M.S Structural work. Zn-A1 alloy steel sheet roofing, paver block flooring of Primary Health Center under NUHM at ward No.-12, Additional Work for Construction of Health Centre at Ward No. 35 within Rajpur-Sonarpur Municipality and Construction of concrete road with surface drain at T.G. road by lane from h/o Prasad Ghosh to h/o Amal kanjilal via h/o Bulu Chakraborty & Rabin Sardar & Dr. Avijit Sengupta in ward no.- 18 (3rd Call), Estimated Value: Rs. 14,97,142/-, Rs. 18,40,568/-, Rs. 08,80,451/-. Earnest Money : @2% of the estimated rate to deposit. Date of uplodation : 26/02/19 at 17-30 hrs. Last date & time limit for Submission of E-Tender : 13/03/19 upto 17-30 hrs. Date & time for Opening of Technical Bid : 16/03/19 after 12.00 hrs. (all dates are same for each tender) . For more information please visit **http://www.wbtenders.gov.in** .

Sd/- Chairman
Rajpur Sonarpur Municipality

THE WEST BENGAL SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
(A Govt. of West Bengal undertaking)
31, Black Burn Lane, Shilpa Bhawan, Kolkata-700 012

WBSIDCL Ltd. invites applications for allotment of Plots on lease from the prospective entrepreneurs to set up industries in the Medinipur Sadar I.E at Khasjungle, Paschim Medinipur

No. of Plots	Area	Rate
139	Range of 03 Katha to 55.34 Katha for single plot	L.T. Premium for 99 Years- Rs. 3,00,000.00 Per Katha L.T. Premium for 60 Years- Rs. 2,93,000.00 Per Katha L.T. Premium for 30 Years- Rs. 2,70,000.00 Per Katha

Details are available in the public domain at the website. The first set of applications will be processed after 30 days. Please visit our website **www.wbsidcl.in**

Sd/-
Managing Director

कोलकाता पत्तन न्यास
KOLKATA PORT TRUST
HALDIA DOCK COMPLEX

परिशिष्ट सूचना

ई-निविदा सं. केओपीटी/हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स/पी एंड ई डिव/32/18-19/ईटी/362-वास्ते "हल्दिया डक कॉम्प्लेक्स, कोलकाता पत्तन न्यास के अंतर्गत परिचालन क्षेत्रों सहित विभिन्न स्थानों में सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम की आपूर्ति, संस्थापना, जांच करना एवं चालू करना।" निविदा कागजात में कतिपय परिवर्तन परिशिष्ट में शामिल किया गया है। परिपूर्ण निविदा कागजात एवं परिशिष्ट www.mstcecommerce.com, https://eprocure.gov.in/eprocure/app एवं www.kolkataporttrust.gov.in में उपलब्ध है।

West Bengal Police Housing & Infrastructure Development Corpn Ltd having its office at 3rd floor, Araksha Bhawan, Block – DJ, Sector – II, Salt Lake, Kolkata – 91 is inviting open e- Tender from experienced agency for works of A) **WBPHIDCL/Addl.CE/NIT-152 (e)/2018-2019, B) WBPHIDCL/Addl.CE/NIQ-39(e)/2018-2019,A)Design, Development and Implementation of ERP (Enterprise Resource Planning) System for WBPH & IDCL.** (1st Call), Tender Id: 2019_WBSPH_217930_1, **B) Renovation and up-gradation of New Alipore P.S., Kolkata Police - Supply and installation of furniture.** (1st Call), Tender Id: 2019_WBSPH_217776_1, Last date & time of submission of bids online is **11.03.2019 at 4 PM.** For further details please visit www.wbtenders.gov.in

ICA-T1828(3)/2019

SD/-
Additional Chief Engineer
WBPH&IDCL

स्वत्वाधिकारी सन्मार्ग प्रा.लि. के लिए **जुगल किशोर अग्रवाल** द्वारा सन्मार्ग भवन, 160बी, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700007 से प्रकाशित तथा सन्मार्ग प्रेस 160बी, चित्तरंजन एवेन्यू कोलकाता-700007, सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्रा. लि., 78, बीमाला वेस्ट, कोलकाता 700105 एवं साउथ बंगाल प्रिंट फैक्टरी प्रा.लि. गांव-ग्राम, जोतराम, बर्दवान-713101 से मुद्रित।
संपादक : **राजेश जैन** (पीआरबी एक्ट तथा अन्य एप्लीकेबल एक्ट्स के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी) स्थानीय सम्पादक : **सुरेन्द्र प्रसाद सिंह** (विमान शुल्क 3.50 रुपये) RNI NO 250657 : फोन : 71015000 । ईमेल : editorial@sanmarg.in, reporting@sanmarg.in प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कोलकाता न्यायालय के अधीन। प्रेरक संपादक : **स्व. रामअवतार गुप्त**